मुख्यमंत्री भजनलाल ने माँ कामाख्या देवी मंदिर में हवन किया

वे असम के मुख्यमंत्री हिमन्त बिस्वा सरमा के शपथ-ग्रहण समारोह में भी शामिल हुए

गुवाहाटी/जयपुर, 12 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को असम के गुवाहाटी में मां कामाख्या मंदिर में सपत्नीक दर्शन किए। उन्होंने हवन में आहुति दी तथा पूजा-अर्चना कर देश-प्रदेश की खुशहाली के लिए कामना की।

मुख्यमंत्री ने मंदिर में आए श्रद्धालुओं से आत्मीय मुलाकात की और बच्चों को दुलार भी किया। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर मंदिर आए प्रवासी राजस्थानियों में उत्साह नजर आया। इससे पहले मंदिर ट्रस्ट की ओर से मंदिर का प्रतीकात्मक मॉडल भेंट कर मुख्यमंत्री रा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

■ गुवाहाटी में माँ कामाख्या देवी मंदिर में पूजा-अर्चना के समय उनकी पत्नी भी साथ थी। मंदिर ट्रस्ट की ओर से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत व अभिनंदन किया गया तथा मंदिर का प्रतिकात्मक मॉडल उन्हें भेंट किया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुवाहाटी में असम के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में भी शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में आयोजित इस समारोह में उन्होंने डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा को मुख्यमंत्री एवं अन्य विधायकों को मंत्री पद की शपथ लेने पर शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन की सरकार असम में सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी तथा विकास के नए आयाम स्थापित किए जाएंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा से मुलाकात की एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें असम के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई दी।

इस अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय मंत्रिमण्डल के सदस्यों सहित, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्रीगण एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

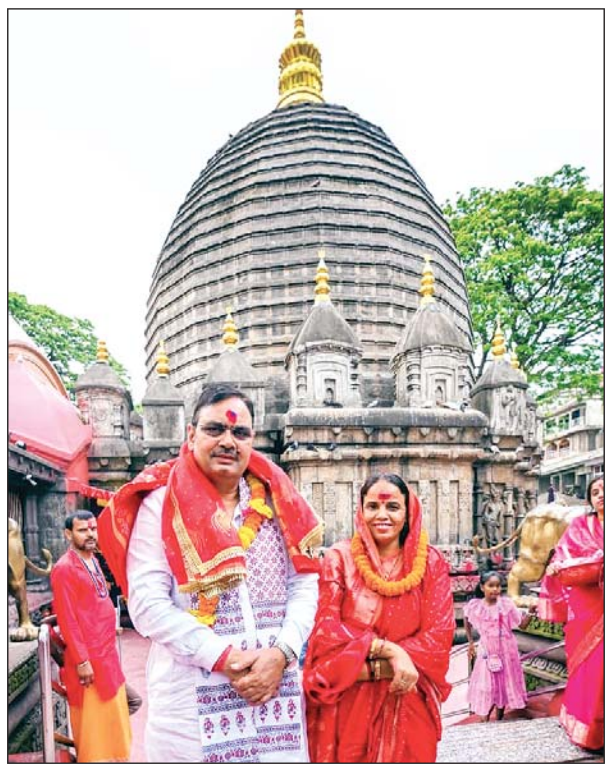

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को असम के गुवाहाटी में मां कामाख्या मंदिर में सपत्नीक दर्शन किए।

अन्नाद्रमुक के बागी नेता मुख्यमंत्री विजय से मिले

चेन्नई, 12 मई। तमिलनाडु में बहुमत के जादुई आंकड़े को लेकर मची सियासी खींचतान के खेल में अब एक और अध्याय जुड़ गया है। विधानसभा में होने वाले बहुमत परीक्षण से पहले मुख्यमंत्री विजय ने मंगलवार को बागी एआईएडीएमके नेताओं एसपी वेलुमणि और सीवी षणमुगम से मुलाकात की। यह मुलाकात इस वजह से भी खास मानी जा रही है, क्योंकि लगभग 30 विधायकों के समर्थन का दावा करने वाले ये नेता कल यानी बुधवार को विधानसभा में टीवीके को समर्थन दे सकते हैं। टीवीके प्रमुख विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के पहले से ही कई सियासी दलों से समर्थन पा लिया था। हालांकि, इसके बावजूद सरकार में अनिश्चितता का माहौल है। विधानसभा में बहुमत परीक्षण न होने तक ऐसा सियासी माहौल बने रहना कोई बड़ी बात नहीं है। इस बीच एआईएडीएमके नेता षणमुगम और वेलुमणि ने विजय का समर्थन करने की खुलकर वकालत की। आशंका गहरा गई है कि लगभग 30 विधायकों का ये गुट एआईएडीएमके में टूट की वजह बन सकता है।

■ यह माना जा रहा है करीब 30 बागी विधायक बुधवार को विधानसभा में टीवीके को समर्थन देंगे

विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने पर फोकस हो तभी, विदेशी मुद्रा अर्जित हो पाएगी

फैडरेशन ऑफ एसोसिएशन्स इन इंडिया टूरिज़्म एण्ड हॉस्पिटैलिटी ने प्र.मंत्री मोदी की अनावश्यक विदेश यात्रा नहीं करने की अपील का समर्थन करते हुए सुझाव दिया

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 मई। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विदेशी मुद्रा भंडार पर बढ़ते दबाव के बीच नागरिकों से गैर-आवश्यक विदेश यात्रा को एक वर्ष के लिए स्थगित करने का आग्रह करने के एक दिन बाद, फैडरेशन ऑफ एसोसिएशन्स इन इंडिया टूरिज़्म एण्ड हॉस्पीटैलिटी (एफएआईटीएच) ने इस अपील का समर्थन किया, लेकिन साथ ही जोर दिया कि भारत को विदेशी मुद्रा आय बढ़ाने के लिए अधिक अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने पर भी ध्यान देना चाहिए।

फैडरेशन के महासचिव राजीव मेहरा ने कहा कि प्रधानमंत्री के बयान वर्तमान वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक स्थिति की गंभीरता को दर्शाते हैं, खासकर अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच, जिसने ऊर्जा बाजारों में भारी अस्थिरता पैदा की है और ऊर्जा जरुरत के लिए आयात पर निर्भर अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव बढ़ाया है।

मेहरा ने कहा, "प्रधानमंत्री का बयान देश की चुनौतीपूर्ण विदेशी मुद्रा स्थिति पर चिंता को दर्शाता है, खासकर ऐसे समय में जब भू-राजनीतिक तनाव वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता पैदा कर रहे हैं। ऐसे हालात में, जहाँ संभव हो, कीमती विदेशी मुद्रा की बचत करना महत्वपूर्ण हो जाता है।"

उन्होंने प्रधानमंत्री के आ ान के व्यापक भाव का समर्थन करते हुए नागरिकों से विदेशी खर्च को कम करने का आग्रह किया, जिसमें छुट्टियों में विदेश यात्रा और विदेश में डेस्टिनेशन वेडिंग्स शामिल हैं।

■ फैडरेशन के महासचिव राजीव मेहरा ने बताया, गत दशक में भारतीयों की विदेश यात्रा में भारी वृद्धि हुई है, इसमें भारी विदेशी मुद्रा खर्च होती है, पर विदेश यात्रा कम करने से थोड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा की बचत हो सकती है, भारत को अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को भारत लाने पर फोकस करने वाली नीति बनानी चाहिए।

■ राजीव मेहरा ने कहा कि भारत में पर्यटन की अपार संभावना है, पर भारत हर साल 2 करोड़ विदेशी पर्यटक ही खींच पाता है, जबकि कई छोटे देशों में इससे कई गुना ज्यादा पर्यटक जाते हैं।

■ मेहरा ने कहा कि भारत को पर्यटन क्षेत्र में पर्याप्त निवेश करना होगा, तभी वह इस क्षेत्र में टिक सकेगा।

पिछले दशक में, भारत से बाहरी पर्यटन में तेज वृद्धि हुई है, जिसमें लाखों भारतीय हर साल छुट्टी मनाने खरीददारी, शिक्षा और मनोरंजन के लिए विदेश यात्रा करते हैं। इसके साथ ही, थाईलैंड, यूएई, तुर्की, इटली और बाली जैसे देशों में डेस्टिनेशन वेडिंग्स भी अधिक लोकप्रिय हो गई हैं, जिनमें भारी विदेशी मुद्रा खर्च होती है।

मेहरा ने कहा कि हालांकि बाहरी पर्यटन कम करने से थोड़े समय के लिए विदेशी मुद्रा की बचत हो सकती है, लेकिन भारत को समानांतर रणनीति अपनानी चाहिए, जिसमें आने वाले अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों से विदेशी मुद्रा राजस्व को पर्याप्त रूप से बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित किया गया हो।

उन्होंने कहा, "विदेशी मुद्रा बचाना समीकरण का एक पक्ष है। दूसरा पक्ष यह है कि और अधिक अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को भारत लाकर विदेशी मुद्रा अर्जित करना।"

फैडरेशन के अनुसार, विशाल सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और भौगोलिक विविधता के बावजूद, भारत वैश्विक पर्यटन में काफी कम प्रदर्शन कर रहा है। मेहरा ने कहा कि भारत हर साल केवल लगभग दो करोड़ विदेशी पर्यटक ही आकर्षित करता है, जो इसकी क्षमता से और कई छोटे देशों की तुलना में काफी कम है, जिन्होंने मजबूत पर्यटन अर्थव्यवस्थाएँ बनाई हैं।

उन्होंने कहा, "यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक देश, जिसे विशाल प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक समृद्धि, आध्यात्मिकता और विश्व-स्तरीय ऐतिहासिक स्मारकों का वरदान मिला है, इतनी सीमित संख्या में विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करता है। यदि उचित नीति समर्थन और वैश्विक विपणन प्रयास किए जाएँ, तो भारत दुनिया के प्रमुख पर्यटन गंतव्यों में से एक बन सकता है।"

फैडरेशन ने एक व्यापक पर्यटन रणनीति की वकालत की, जिसमें आसान वीज़ा नियम, विस्तारित अंतरराष्ट्रीय हवाई संपर्क, बेहतर पर्यटन बुनियादी ढांचा और मजबूत विदेशी प्रचार अभियान शामिल हैं।

उद्योग निकाय ने कहा कि जटिल वीज़ा प्रक्रियाएँ कई अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को निरुत्साहित करती हैं, खासकर जब प्रतिस्पर्धी गंतव्य देश आसान प्रवेश प्रणाली और आक्रामक पर्यटन विपणन प्रदान करते हैं। फैडरेशन ने प्रमुख पर्यटन मार्गों में अंतिम-छोर तक कनेक्टिविटी, शहरी स्वच्छता, सुरक्षा मानकों और आगंतुक सुविधाओं को बेहतर बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

मेहरा ने आगे कहा कि भारत का विदेशी पर्यटन प्रचार वैश्विक मानकों से काफी पीछे है और यदि देश प्रमुख पर्यटन-आधारित अर्थव्यवस्थाओं के साथ प्रतिस्पर्धा करना चाहता है तो इसमें पर्याप्त निवेश की आवश्यकता है।

पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र का मानना है कि आने वाले पर्यटक विदेशी मुद्रा आय, रोजगार सृजन और आर्थिक विकास का एक प्रमुख स्रोत बन सकते हैं, खासकर जब वैश्विक अनिश्चितताएँ व्यापार और पूंजी प्रवाह को प्रभावित कर रही हैं।

प्रधान मंत्री मोदी का यह आ ान भारत के आयात बिल पर बढ़ती चिंताओं के बीच आया है, विशेष रूप से वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण, यह पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट से जुड़ा है। विश्लेषकों का मानना है कि गैर जरुरी कारणों से विदेशी मुद्रा बाहर जाने की प्रवृतियों को कम करना और साथ ही उन क्षेत्रों को मजबूत करना, जो विदेशी मुद्रा की आय उत्पन्न कर सकते हैं, भारत को बाहरी आर्थिक दबावों से अधिक प्रभावी ढंग से निपटने में मदद कर सकता है।

कूनो नैशनल पार्क में चार चीता शावकों की मौत

एक माह पूर्व इन चारों शावकों का जन्म हुआ था

श्योपुर, 12 मई। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क में एक माह पहले जन्मे मादा चीता केजीपी-12 के चारों शावकों की मौत हो गई। मंगलवार सुबह जब मॉनिटरिंग टीम श्योपुर टेरिटोरियल डिवीजन पहुंची, तब उन्हें डेन साइट के पास चारों शावकों के शव मिले। वन विभाग ने प्रेस नोट जारी कर इसकी पुष्टि की है।

विभाग ने जानकारी दी कि एक महीने पहले 11 अप्रैल 2026 को चारों शावकों का जन्म हुआ था। मॉनिटरिंग टीम ने 11 मई की शाम को इन्हें अंतिम बार जीवित देखा था। ये महज एक महीने के थे। मंगलवार सुबह करीब 6:30 बजे गश्ती टीम जब नियमित मॉनिटरिंग के लिए पहुंची, तो मांद के पास चारों शावकों के शव मिले। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि किसी अन्य जंगली जानवर ने इनका शिकार किया है, हालांकि मौत की असली वजह पोस्टमार्टम के बाद ही सामने आएगी।

■ आशंका है कि किसी अन्य जंगली जानवर ने इनका शिकार किया है पर मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता लगेगी।

घटना के बाद गश्ती दल ने तुरंत वरिष्ठ वन अधिकारियों को सूचना दी। सूचना मिलने पर वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंची टीम ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया और सैंपल कलेक्ट करने की प्रक्रिया शुरू की गई। पूरे इलाके को सील कर जांच शुरू कर दी गई है। घटना के बाद पूरे कूनो क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है और वन विभाग की टीम लगातार इलाके की जांच कर रही है। राहत की बात यह है कि मादा चीता केजीपी-12 पूरी तरह सुरक्षित और स्वस्थ बताई जा रही है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिससे मौत की असली वजह साफ हो सकेगी। वन विभाग की टीम लगातार उसकी गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है। अधिकारियों के अनुसार फिलहाल मादा चीता सामान्य व्यवहार कर रही है, लेकिन सुरक्षा बढ़ा दी गई है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

वन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, इस घटना के बाद देश में कुल चीतों की संख्या घटकर 53 रह गई है। इनमें से 50 चीते कूनो नेशनल पार्क में और तीन चीते गांधी सागर अभयारण्य में मौजूद हैं। इनमें से 33 चीते भारत में जन्मे हैं।

पीएम आवास के पास की तीन झुग्गी बस्ती हटा सकते हैं- हाईकोर्ट

नई दिल्ली, 12 मई। दिल्ली उच्च न्यायालय ने प्रधानमंत्री आवास के नजदीक बसी तीन झुग्गी बस्तियों को हटाने की अनुमति दे दी है। जस्टिस पुरुषेन्द्र कौरव की बेंच इन झुग्गियों में रहने वालों को निर्देश दिया कि वे दो हफ्ते में जगह खाली कर दें।

कोर्ट ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास के पास की ये झुग्गियां अनाधिकृत हैं। कोर्ट ने इन झुग्गियों में रहने वालों को बुनियादी सुविधाओं के साथ सावदा घेवरा में पुनर्वासित करने का आदेश दिया। कोर्ट ने प्रशासन को ये सुनिश्चित करने को कहा कि पुनर्वास के दौरान झुग्गियों में रहने वाले लोगों को न्यूनतम बाधा होनी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि केन्द्र सरकार की राष्ट्रीय सुरक्षा की चिंता एक वैध वजह है, जिसकी वजह से इन झुग्गियों को खाली कराया जाएगा।

इस मामले की सुनवाई के दौरान केन्द्र सरकार ने कहा था कि ये झुग्गियां सैन्य संस्थानों के बिल्कुल नजदीक हैं, जो काफी संवेदनशील इलाका है। केन्द्र सरकार ने वैश्विक सुरक्षा परिस्थितियों का जिक्र करते हुए कहा था कि ऐसे स्थानों पर अनाधिकृत ढ ांचे खड़े नहीं किए जा सकते हैं और ये राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ मसला है। केन्द्र सरकार ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास से करीब 45 किलोमीटर दूर सावदा घेवरा में बनी पुनर्वास कालोनियों में सात सौ से ज्यादा प्रभावितों को बसाया जा रहा है। इनमें से 192 ने दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड की ओर से जारी आवंटन पत्र स्वीकार कर लिया है। 136 ने तो फ्लैट का कब्जा भी ले लिया है।

■ अदालत ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के कारण इन झुग्गियों को खाली कराया जायेगा

दरअसल, उच्च न्यायालय में तीन झुग्गियों भाई राम कैंप, मस्जिद कैंप और डीआईडी कैंप के निवासियों ने याचिका दायर की थी। ये झुग्गियां दिल्ली रेस क्लब और जयपुर पोलो ग्राउंड के नजदीक हैं। केन्द्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने इन झुग्गियों के निवासियों को हटाने के लिए अक्टूबर 2025 और फरवरी 2026 में नोटिस जारी किया था।

पाकिस्तान से बातचीत का रास्ता बंद नहीं करना चाहिये- होसबाले

नई दिल्ली, 12 मई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने पाकिस्तान के साथ बातचीत की वकालत की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक चुभन जरूर है, लेकिन पड़ोसी देश (पाकिस्तान) के साथ बातचीत के दरवाजे बंद नहीं होने चाहिए। बता दें कि दत्तात्रेय होसबाले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बाद संघ के दूसरे सबसे बड़े नेता हैं।

आरएसएस महासचिव ने न्यूज एजेंसी से कहा कि अगर पाकिस्तान एक सुई की नोक की तरह पुलवामा जैसी घटनाएं करने की कोशिश करता है, तो हमें हालात के हिसाब से सही जवाब देना होगा।

मु.मंत्री के नाम पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की पूरी जानकारी थी और उनसे कुछ भी छुपाया नहीं गया। कहा जा रहा है कि कांग्रेस पार्टी, एआईसीसी से वेणुगोपाल को हटाना चाहती है, लेकिन नेतृत्व को समग्र तस्वीर पर ध्यान देना होगा। पाँच राज्यों के चुनावों के बाद सभी सरकारें और मुख्यमंत्री अपने पदों पर हैं, सिवाय कांग्रेस केरल इकाई के, जो अभी अनिश्चित स्थिति में है। सूत्रों के अनुसार, प्रयास किए जा रहे हैं कि सतीशन को शांत किया जाए, क्योंकि राहुल गांधी वेणुगोपाल को केरल भेजना चाहते हैं, लेकिन वेणुगोपाल केवल मुख्यमंत्री बनने के वचन पर ही शांत होने को तैयार हैं। एक वरिष्ठ नेता ने कहा, निर्णय अब होगा, जल्दी या देर से। पार्टी यह संदेश नहीं भेजना चाहती कि वह अस्थिरता, निर्णयहीनता और अनिश्चितता की स्थिति में है।

पेपर लीक के कारण नीट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिया गया। एजेंसी ने स्पष्ट किया कि मई 2026 चक्र के लिए पंजीकरण डेटा, उम्मीदवार विवरण और परीक्षा केन्द्र वैध रहेंगे। नए पंजीकरण की आवश्यकता नहीं होगी और कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा।

नीट (यूजी), जो भारत भर में , एमबीबीएस, बीडीएस और अन्य अंडरग्रेजुएट मेडिकल कोर्सों में प्रवेश के लिए एकल प्रवेश परीक्षा है, 3 मई को भारत के 551 शहरों में 5,400 से अधिक केन्द्रों और विदेश के 14 शहरों में पे-एंड-पेपर मोड में आयोजित की गई थी। करीब 22.79 लाख छात्रों ने इस परीक्षा में भाग लिया था।

हिमंत बिस्वा सरमा दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री बने

गुवाहाटी, 12 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। असम में भाजपा के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की लगातार तीसरी बार सरकार का गठन हुआ है। गुवाहाटी के खानापारा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय के खेल मैदान में आयोजित भव्य समारोह में डॉ. सरमा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, जेपी नड्डा समेत, राजग शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी में शपथ ली।

आज हो...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस-नेतृत्व वाली यूडीएफ ने विधानसभा की 140 सीटों में से 102 पर शानदार जीत दर्ज की, और यह एक दशक के बाद ऐतिहासिक वापसी है।

एसआई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

3 फरवरी 2021 को जारी मूल विज्ञापन तथा 7 जून 2021 को जारी शुद्धि पत्र के अनुसार ही प्रभावी रहेंगी। अभ्यर्थियों को विस्तृत दिशा निर्देशों के लिए आयोग की आधिकारिक वेबसाइट देखने की सलाह दी गई है। आयोग ने बताया कि 16 मई से 30 मई 2026 तक अभ्यर्थी अपने आवेदन पत्र में रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी और पत्राचार का पता अपडेट कर सकेंगे। यदि किसी अभ्यर्थी ने अपनी एसएसओ आईडी बदल दी है, तो वह 'फेच एप्लीकेशन फॉर्म' विकल्प के माध्यम से पुरानी आईडी का डेटा नए प्रोफाइल में ट्रांसफर कर सकेगा। इससे पूर्व आवेदन से जुड़ी जानकारी नए सिस्टम में सुरक्षित रूप से जुड़ जाएगी। भर्ती प्रक्रिया के तहत सभी अभ्यर्थियों को वन टाइम रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया अपडेट करना जरूरी होगा। जिन अभ्यर्थियों को आवेदन में कोई संशोधन नहीं करना है, उन्हें भी एडिट मोड में जाकर लाइव फोटो, हस्ताक्षर और अंगूठा निशानी के उपयोग के लिए अनिवार्य सहमति देनी होगी। इसके बाद फाइनल सब्मिट बटन पर क्लिक कर रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी दर्ज करना होगा। आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह प्रक्रिया पूरी किए बिना आवेदन सब्मिट नहीं माना जाएगा।

'एक ज्योतिषी को ओएसडी का पद क्यों, क्या कोई बताएगा'

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय द्वारा ज्योतिषी को अपना राजनैतिक ओएसडी नियुक्त करने पर कांग्रेस सांसद ने सवाल किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 मई। तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय की छवि को खराब करने के लिए लगता है, एक सुनियोजित प्रयास किया जा रहा है, क्योंकि तमिलनाडु के प्रमुख ज्योतिषी और तमिझागा वेत्रि कझगम (टीवीके) प्रवक्ता राधन पंडित वेत्रिवेल को नई सरकार में मुख्यमंत्री के ओएसडी (राजनीतिक) के रूप में नियुक्त करने को लेकर अनावश्यक रुप से विवाद खड़ा किया जा रहा है।

पंडित, जिन्होंने हाल ही में विधानसभा चुनाव अभियान के दौरान उल्लेखनीय भूमिका निभाई थी, को टीवीके नेतृत्व का करीबी सहयोगी माना जाता है और वे पार्टी की आउटरीच गतिविधियों में सक्रिय रहे। मई 10 को विजय के शपथ ग्रहण समारोह को अपरान्ह 3:45 बजे से उसी दिन सुबह 10 बजे करने का निर्णय पंडित वेत्रिवेल की सलाह पर लिया गया था। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, रिक्की राधन पंडित वेत्रिवेल को मुख्यमंत्री का ओएसडी (राजनीतिक) नियुक्त किया जाता है, यह आदेश नियुक्ति की तिथि से प्रभावी होगा। इस संबंध में शर्तें और नियम अलग से जारी किए जाएंगे। पंडित वेत्रिवेल विजय के निजी ज्योतिषी हैं और उन्होंने अभिनेता-राजनेता को उनके राजनीतिक सफर में निरंतर सलाह दी है। हालांकि, कांग्रेस में कुछ लोगों को यह नियुक्ति पसंद नहीं आई, जो विजय के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार के गठबंधन सहयोगी हैं।

■ कुछ सोशल एक्टिविस्ट ने भी मु.मंत्री विजय के इस निर्णय पर प्रश्न चिन्ह लगाया और कहा, सरकार जवाबदेही और प्रोफेशनलिज़्म पर चलनी चाहिए अंधविश्वास पर नहीं।

■ ज्योतिषी राधान पंडित टीवीके पार्टी के प्रवक्ता हैं और लंबे समय से विजय के सलाहकार हैं। बताया जाता है कि उन्हीं के कहने पर शपथ ग्रहण का समय शाम पौने चार से बदल कर सुबह दस बजे किया गया था।

थिरुवल्लुर के कांग्रेस सांसद ससीकांत सेनथिल ने पूछा: "मुझे समझ नहीं आता। एक ज्योतिषी को ओएसडी पद की आवश्यकता क्यों होगी? क्या कोई समझा सकता है?"

सामाजिक कार्यकर्ता विजय कुम्भार ने भी नियुक्ति की आलोचना की और कहा कि तमिलनाडु को ऐसे प्रशासन की आवश्यकता है जो योग्यता, पेशेवराना क्षमता (प्रोफेशनलिज़्म) और जवाबदेही पर आधारित हो, न कि अंधविश्वास और व्यक्तिगत निष्ठा पर।

उन्होंने एक्स पर लिखा, "मुख्यमंत्री के ओएसडी के रूप में निजी ज्योतिषी को नियुक्त करना सरकार की प्राथमिकताओं के बारे में परेशान करने वाला संदेश देता है और संस्थागत विश्वसनीयता को कम करता है। सार्वजनिक पद अंधविश्वास या पक्षपात की जगह नहीं है।"

हालांकि, मीडिया प्लेटफ़ॉर्म्स इस नियुक्ति की रिपोर्टिंग करते समय इस तथ्य की उपेक्षा कर रहे हैं कि ज्योतिष और ज्योतिषियों की सलाह, कुछ के अलावा, लगभग सभी राजनीतिक दलों के नेताओं द्वारा मांगी जाती रही है। पिछले पांच दशकों में राजनीतिक रिपोर्टिंग के अनुभव के आधार पर, लेखक ने कहा कि बड़े और छोटे नेता ज्योतिषियों की सलाह लेते रहे हैं। यहां तक कि देश की स्वतंत्रता की घोषणा के लिये मध्यरात्रि समय भी उज्जैन के प्रसिद्ध ज्योतिषी पंडित सूर्यनारायण व्यास और पंडित हरिदेव शर्मा त्रिवेदी ने सुझाया था।

अनावश्यक विवाद खड़ा करना केवल यह दिखाता है कि देश में अधिकांश लोग दोहरी मानसिकता अपनाते हैं। वे निजी तौर पर जिन चीजों का समर्थन करते हैं, और उन्हें पसन्द करते हैं, उन्हीं की सार्वजनिक रूप से आलोचना करते हैं।

इस बीच, विजय ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में आज पूजा स्थलों, शैक्षिणक संस्थानों और बस स्टेशनों से 500 मीटर की दूरी के अन्दर संचालित 717 सरकारी टीएएसएमएसी शराब रिटेल आउटलेट्स को दो सप्ताह के भीतर बंद करने का आदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने इस कदम से पहले राज्यव्यापी सर्वेक्षण का आदेश दिया था, ताकि संवेदनशील सार्वजनिक क्षेत्रों के पास स्थित शराब की ऐसी दुकानों को चिन्हित किया जा सके। अधिकारियों के अनुसार, यह निर्णय जनहित और सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों द्वारा उठाई गई लंबित चिंताओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया।

अमेरिका, पाकिस्तान की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कूटनीति के क्षेत्र में भी पूरी हो।"

ट्रम्प ने तीव्र प्रतिक्रिया देते हुए ईरान के प्रस्ताव को खारिज किया और चेतावनी दी कि अस्थिर संघर्ष विराम अब "लाइफ सपोर्ट पर" है।

ट्रंप ने कहा, "वो जो कचरा हमें भेजा, उसे पढ़ने के बाद मैंने इसे पूरा नहीं पढ़ा। वे लाइफ सपोर्ट पर हैं। संघर्ष विराम बड़े पैमाने पर लाइफ सपोर्ट पर है।" उन्होंने यह भी दोहराया कि ईरान को सैन्य रूप से कमज़ोर किया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि संघर्ष विराम के दौरान तेहरान द्वारा किये गये किसी भी सैन्य पुनर्निर्माण को "लगभग एक दिन में नष्ट किया जा सकता है।"

इस बीच, बढ़ती आलोचना के बीच, पाकिस्तान ने सी.बी.एस. की रिपोर्ट को जोरदार रूप से खारिज किया और इसे "भ्रामक और सनसनीखेज" बताया।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा, "पाकिस्तान पूरी तरह से सी.बी.एस. न्यूज़ की रिपोर्ट को भ्रामक और सनसनीखेज मानता है, जिसमें नूर खान एयरबेस पर ईरानी विमानों की उपस्थिति का उल्लेख है।"

इस्लामाबाद ने कहा कि संघर्ष विराम अवधि और वार्ता के पहले दौर के दौरान, कई ईरानी और अमेरिकी विमान केवल कूटनीतिक कर्मचारियों, सुरक्षा टीमों और प्रशासनिक कर्मचारियों की आवाजाही के समर्थन के लिए पाकिस्तान आए थे।

पाकिस्तान के अनुसार, रावलपिंडी में वर्तमान में खड़े ईरानी आर.सी.-130 विमान का संघर्ष विराम अवधि के दौरान आगमन हुआ और इसका किसी भी सैन्य आपात स्थिति या संरक्षण व्यवस्था से "कोई भी संबंध नहीं था।" पाकिस्तान विदेश मंत्रालय ने कहा, "इसके विपरीत दावे अनुमानित, भ्रामक और तथ्यात्मक संदर्भ से पूरी तरह अलग हैं।" मंत्रालय ने यह भी जोड़ा कि पाकिस्तान संवाद और तनाव कम करने के प्रयासों में "निष्पक्ष, रचनात्मक और जिम्मेदार मध्यस्थ" के रूप में कार्य कर रहा है।

फिर भी, इस विवाद ने वाशिंगटन में राजनीतिक प्रतिक्रिया को जन्म दिया। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम, जो ट्रम्प के करीबी सहयोगी हैं, ने सार्वजनिक रूप से पाकिस्तान की तटस्थता पर सवाल उठाया।

ग्राहम ने एक्स पर लिखा, "यदि यह रिपोर्टिंग सटीक है, तो इसके लिए पाकिस्तान की ईरान, अमेरिका और अन्य पक्षों के बीच मध्यस्थ के रूप में भूमिका का पूर्ण पुनर्मूल्यांकन आवश्यक होगा।"

उन्होंने कहा, "पाकिस्तानी रक्षा अधिकारियों द्वारा इज़रायल के प्रति पूर्व वक्तव्यों को देखते हुए, मुझे आश्चर्य नहीं होगा, अगर यह सच हो।"

अब, जबकि ट्रम्प चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक के लिए बीजिंग जा रहे हैं तो यह अटकलें तेज हो गई हैं कि चीन पश्चिम एशिया को स्थिर करने के प्रयासों में अधिक प्रभावशाली खिलाड़ी के रूप में उभर सकता है, खासकर जब पाकिस्तान की, मध्यस्थ की भूमिका में विश्वास कमज़ोर होता दिख रहा है।

भारत ने रूस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उपग्रह ट्रैकिंग से छुपाना बहुत कठिन है।

भारत अधिकृत रूसी एलएनजी खरीदने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन उसकी अधिकांश मात्रा यूरोप के लिए है। चीन भी रूस की प्रतिबंधित और गैर-प्रतिबंधित, दोनों प्रकार की एलएनजी का प्रमुख खरीदार बना हुआ है। सूत्रों ने आगे कहा, मॉस्को भारत के साथ एलएनजी और उर्वरक, जैसे पोटाश, फास्फोरस और यूरिया आपूर्ति के लिए दीर्घकालिक समझौते करने की कोशिश कर रहा है। ईरान संघर्ष के कारण होर्मुज़ स्ट्रेट मार्ग से शिपिंग बाधित होने से पहले, भारत अपनी गैस खपत का लगभग आधा हिस्सा आयात के माध्यम से पूरा करता था, जिसमें से लगभग 60 प्रतिशत इसी जलमार्ग से आता था। इसके अलावा, अपनी क्रूड तेल की आधी से अधिक आपूर्ति भी इसी रास्ते से होती थी। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को नागरिकों से ईंधन और विदेशी मुद्रा बचाने के लिए घर से काम करने, विदेशी यात्रा सीमित करने और सोने व खाद्य तेल के आयात को कम करने का आग्रह किया।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600